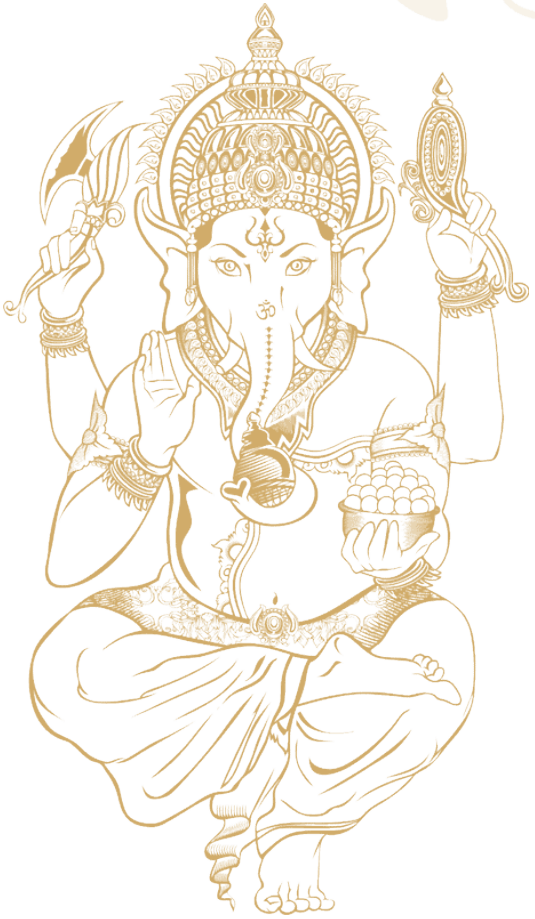

Vijai Bahadur Singh

16 Dec 1954

11:11 PM

Hardoi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121408807

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/12/1954**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**23:11:00 घंटे**
इष्ट	40:46:30 घटी
स्थान	**Hardoi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:23:00 उत्तर
रेखांश	80:06:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:09:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:01:24 घंटे
वेलान्तर	00:04:36 घंटे
साम्पातिक काल	04:40:42 घंटे
सूर्योदय	06:52:24 घंटे
सूर्यास्त	17:17:32 घंटे
दिनमान	10:25:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	01:00:32 धनु
लग्न के अंश	19:10:14 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	आयुष्मान
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टे-टेकचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	19:10:14	318:54:23	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			धनु	01:00:32	01:01:03	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	26:52:50	12:29:51	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	15:37:29	00:42:57	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध		अ	वृश्चि	26:06:56	01:33:53	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	सम राशि
गुरु	व		कर्क	05:17:27	00:05:32	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	उच्च राशि
शुक्र			तुला	23:38:44	00:23:30	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	स्वराशि
शनि			तुला	23:37:53	00:06:13	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	उच्च राशि
राहु			धनु	12:22:52	00:00:15	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	नीच राशि
केतु			मिथु	12:22:52	00:00:15	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	नीच राशि
हर्ष	व		कर्क	03:40:40	00:02:04	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	---
नेप			तुला	04:27:58	00:01:25	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो	व		सिंह	03:29:26	00:00:31	मघा	2	10	सूर्य	केतु	सूर्य	---
दशम भाव			वृष	18:28:07	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:13:57

लग्न-चलित

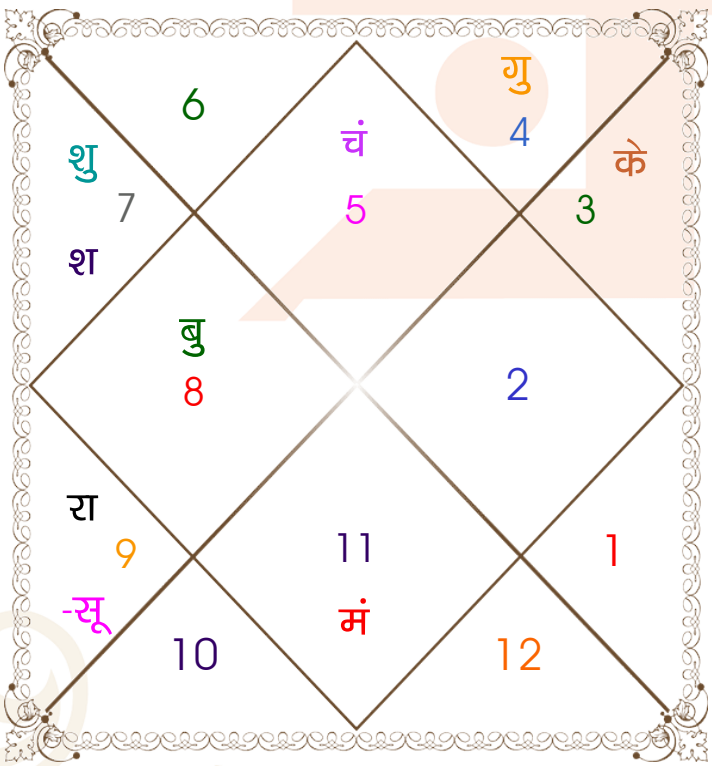

चन्द्र कुंडली

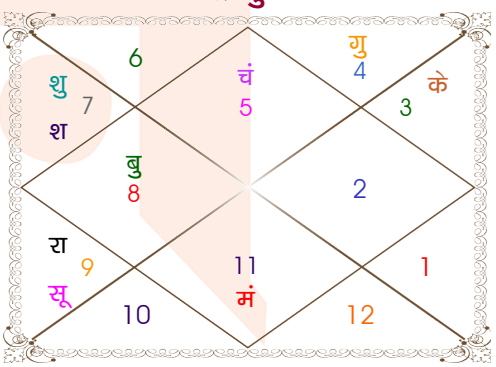

नवमांश कुंडली

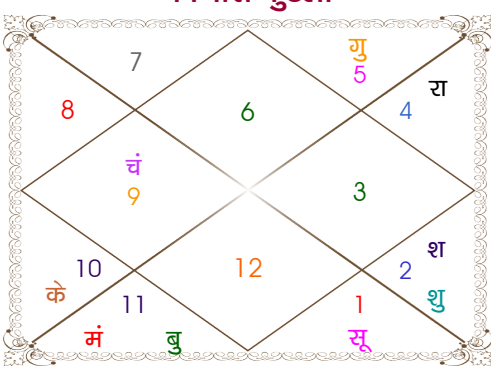

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 10 मास 25 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
16/12/1954		11/11/1960		11/11/1970		11/11/1977		12/11/1995	
11/11/1960		11/11/1970		11/11/1977		12/11/1995		12/11/2011	
सूर्य	01/03/1955	चंद्र	11/09/1961	मंगल	09/04/1971	राहु	24/07/1980	गुरु	30/12/1997
चंद्र	31/08/1955	मंगल	12/04/1962	राहु	27/04/1972	गुरु	18/12/1982	शनि	12/07/2000
मंगल	05/01/1956	राहु	12/10/1963	गुरु	03/04/1973	शनि	24/10/1985	बुध	18/10/2002
राहु	29/11/1956	गुरु	10/02/1965	शनि	13/05/1974	बुध	12/05/1988	केतु	24/09/2003
गुरु	17/09/1957	शनि	11/09/1966	बुध	10/05/1975	केतु	31/05/1989	शुक्र	25/05/2006
शनि	30/08/1958	बुध	11/02/1968	केतु	06/10/1975	शुक्र	30/05/1992	सूर्य	13/03/2007
बुध	07/07/1959	केतु	11/09/1968	शुक्र	05/12/1976	सूर्य	24/04/1993	चंद्र	12/07/2008
केतु	12/11/1959	शुक्र	13/05/1970	सूर्य	12/04/1977	चंद्र	24/10/1994	मंगल	18/06/2009
शुक्र	11/11/1960	सूर्य	11/11/1970	चंद्र	11/11/1977	मंगल	12/11/1995	राहु	12/11/2011

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
12/11/2011		11/11/2030		12/11/2047		11/11/2054		11/11/2074	
11/11/2030		12/11/2047		11/11/2054		11/11/2074		00/00/0000	
शनि	14/11/2014	बुध	09/04/2033	केतु	09/04/2048	शुक्र	13/03/2058	सूर्य	16/12/2074
बुध	24/07/2017	केतु	06/04/2034	शुक्र	09/06/2049	सूर्य	13/03/2059		00/00/0000
केतु	02/09/2018	शुक्र	04/02/2037	सूर्य	15/10/2049	चंद्र	11/11/2060		00/00/0000
शुक्र	02/11/2021	सूर्य	12/12/2037	चंद्र	16/05/2050	मंगल	11/01/2062		00/00/0000
सूर्य	15/10/2022	चंद्र	13/05/2039	मंगल	12/10/2050	राहु	11/01/2065		00/00/0000
चंद्र	15/05/2024	मंगल	09/05/2040	राहु	30/10/2051	गुरु	12/09/2067		00/00/0000
मंगल	24/06/2025	राहु	27/11/2042	गुरु	05/10/2052	शनि	11/11/2070		00/00/0000
राहु	30/04/2028	गुरु	03/03/2045	शनि	14/11/2053	बुध	11/09/2073		00/00/0000
गुरु	11/11/2030	शनि	12/11/2047	बुध	11/11/2054	केतु	11/11/2074		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 10 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।